तत्काल
विधानसभा प्रश्न

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
शिक्षा निदेशालय, पुराना सचिवालय, दिल्ली
विधायी कार्य शाखा/प्रश्न कक्ष

संख्याडी.ई.–25 (13)/202/वि.कार्य/2017–18/ 1588-1589 दिनांकः– 06/08/2018

सेवा में,

उपसचिव, (प्रश्न कक्ष)
दिल्ली विधान सभा सचिवालय,
पुराना सचिवालय, दिल्ली 110054

विषयः– विधानसभा तारांकित/अतारांकित प्रश्न संख्या 05 दिनांक 06.08.2018 के सन्दर्भ में।

महोदय,

आपकी सेवा में दिनांक 06.08.2018 को विधानसभा में पूछे गये उपरोक्त प्रश्न की 100 प्रतिलिपियॉं भेजने का निर्देश हुआ है। जोकि आपको प्रेषित है।

भवदीय,

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार

उप शिक्षा निदेशक,
(विधायी कार्य शाखा)

प्रतिलिपिः–
1. निदेशक, सूचना एवं प्रचार विभाग, दिल्ली सरकार, पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054 (150 कापियॉं)।

Scanned by CamScanner

विभाग का नाम :– शिक्षा विभाग

विभाग का पता :– पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054

अतारांकित प्रश्न संख्या :– 05

दिनांक :– 06.08.2018

प्रश्नकर्ता का नाम :– श्री विजेन्द्र गुप्ता

क्या उप मुख्य मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि:–

	प्रश्न	उत्तर
(क)	क्या यह सत्य है कि सरकार का इस वर्ष स्कूलों में लगभग 12000 कमरे बनाने का लक्ष्य है;	स्कूलों में लगभग 12700 कमरे बनाने का कार्य प्रगति पर है।
(ख)	जिन स्कूलों में ये कमरे बनाए जाने हैं, क्या वहां दाखिले की इतनी मांग है कि सरकार मांग को पूरा नहीं कर पा रही है; पूर्ण जानकारी दें;	बढ़ती हुई मांग को दृष्टिगत इन कमरों के निर्माण की योजना बनाई गई है। शिक्षा विभाग, विभिन्न स्तरों पर जिसमें शिक्षकों, प्रधान अध्यापकों की मांग को ध्यान में रखते हुये, इसके अलावा विभिन्न पहलुओं जैसे दाखिले की मांग, विद्यार्थियों की संख्या, विधायक की अनुशंसा, एसएमसी की सहमति, स्थान की उपलब्धता इत्यादि के आधार पर निर्णय लेता है।
(ग)	यदि हां तो क्या इन कमरों को बनाने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा कोई सर्वे कराया गया है;	
(घ)	यदि हां तो सर्वे की विस्तृत उपलब्ध करें;	
(ङ)	ये कमरे कितने स्कूलों में निर्मित किये जाएंगे;	ये कमरे 263 विद्यालयों में निर्मित किये जायेंगे। लेकिन यह संख्या कम या ज्यादा हो सकती है।
(च)	ये कमरे किस आधार पर बनाए जाते हैं;	उपरोक्त (ख) के अनुसार।
(छ)	क्या इनके लिए प्रधानाचार्य की सहमति ली जाती है;	जी हॉ।
(ज)	क्या यह सत्य है कि सरकार द्वारा अब तक 8000 अतिरिक्त नए कमरे बनाए जा चुके हैं; और	जी हॉ।
(झ)	जिन विद्यालयों में ये नए कमरे बनाए गए हैं उन विद्यालयों में पहले कितने बच्चे पढ़ते थे, अब कितने बच्चे पढ़ते हैं; विस्तृत विवरण दें?	कमरे बनने से पहले 607659 कमरे बनने के बाद 638384 हालांकि स्कूलों में कमरे बनाये गये हैं, वहां कमरों की संख्या पहले से ही बहुत कम थी और एक–एक क्लास में क्षमता से कहीं ज्यादा बच्चे बैठने पर मजबूर थे। नये कमरे बनने से, पहले से ही वहां पर पढ़ रहे बच्चो को सुविधा पूर्वक बिठाने और बेहतर शिक्षा का वातावरण बनने में मदद मिलेगी।
(ञ)	बनाए जाने वाले कमरों में किस प्रकार का बिल्डिंग मटेरियल प्रयोग किया जा रहा है;	कमरों का निर्माण आरसीसी चार मंजिला बीम और कालम (Beam and Column) फ्रेम के आधार पर हुआ है।
(ट)	क्या यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ये कमरे भूकम्प रोधी हों,	जी हॉ।
(ठ)	यदि हां तो यह सुनिश्चित किए जाने का आधार क्या है;	लोक निर्माण विभाग की रिपोर्ट के अनुसार यह सुनिश्चित किया गया है।
(ड)	क्या यह भी सत्य है कि मोहन गार्डन के जीबीएसएसएस नं0 1 स्कूल में कमरों की विशेष कमी है और जिसके कारण बच्चों को बालकानी व पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ना पड़ रहा है;	विद्यालय भवन का नवीनीकरण/निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके कारण कुछ कक्षाएँ फिलहाल बरामदें में ली जा रही है। जैसे ही निर्माण कार्य पूर्ण होगा, इन कक्षाओं को कमरों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।
(ढ)	सरकार इस विषय पर क्या कर रही है; पूर्ण विवरण प्रस्तुत करें?	उपरोक्तानुसार।

DDE (PGMS)
Dte. of Education
Govt. of NCT of Delhi

Scanned by CamScanner